

Resource: मुख्य शब्द (अनफोल्डिंग वर्ड)

unfoldingWord® Translation Words © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license. unfoldingWord® Translation Words has been adapted in the following languages: Tok Pisin, Arabic (عربي), French (Français), Hindi (हिंदी), Indonesian (Bahasa Indonesia), Portuguese (Português), Russian (Русский), Spanish (Español), Swahili (Kiswahili), and Simplified Chinese (简体中文) from unfoldingWord® Translation Words © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license by Mission Mutual

मुख्य शब्द (अनफोल्लिंग वर्ड)

श

शद्दाई

शद्दाई

तथ्यः

शब्द "शद्दाई" एक इब्रानी शब्द है जो देवता के लिए उपयोग किया जाता है। इसे पुराने नियम में परमेश्वर के व्यक्तिगत नाम के रूप में उपयोग किया जाता है। इस शब्द की विशिष्ट उत्पत्ति (और इसलिए अर्थ) ज्ञात नहीं है। शास्त्रियों ने इसके अर्थ के लिए विभिन्न संभावनाएं प्रस्तावित की हैं और सबसे संभावित यह है कि "शद्दाई" का अर्थ "पहाड़" या "पहाड़ श्रृंखला" है।

- इब्रानी शब्द "शद्दाई" का अक्सर अंग्रेजी में अनुवाद "सर्वशक्तिमान" के रूप में किया जाता है।
- इब्रानी वाक्यांश "एल शद्दाई" का अक्सर अंग्रेजी में अनुवाद "सर्वशक्तिमान परमेश्वर" के रूप में किया जाता है।
- यदि "शद्दाई" का अर्थ "पहाड़" या "पहाड़ श्रृंखला" है तो इब्रानी वाक्यांश "एल शद्दाई" का शाब्दिक अर्थ "परमेश्वर, उन पहाड़ों में से एक" है।
- यूएलटी और यूएसटी ग्रंथ हमेशा इस शब्द का अनुवाद "शद्दाई" के रूप में करते हैं, जो पुराने नियम के इब्रानी पाठ से मेल खाता है।

अनुवाद सुझावः

- हालांकि शब्द शद्दाई एक परमेश्वर का नाम है, इसे अक्सर एक शीर्षक या विवरण के रूप में अनुवादित किया जाता है, "सर्वशक्तिमान," बजाय एक नाम के। यदि आपके क्षेत्र में कोई बाइबल का अनुवाद मौजूद है, तो आप इसे उसी तरह अनुवादित करना चाह सकते हैं जैसा कि वह करता है। यदि कोई अनुवाद मौजूद नहीं है, तो आप शद्दाई नाम का उपयोग करना चाह सकते हैं।
- यदि आप "शद्दाई" शब्द का अनुवाद एक नाम के रूप में चुनते हैं तो आप इसे अपनी भाषा में जिस तरह से यह सुनाई देता है उस तरह से लिख सकते हैं और आप वाक्यांश "एल शद्दाई" को भी अपनी भाषा में जिस तरह से यह सुनाई देता है उस तरह से लिख सकते हैं।

(अनुवाद सुझावः नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: परमेश्वर)

बाइबल संदर्भ:**बाइबल की कहानियों से उदाहरण:****शब्द सूची:**

- स्ट्रॉन्ग का:

शपथ**परिभाषा:**

बाइबल में “शपथ” का अर्थ है किसी काम को करने की औपचारिक प्रतिज्ञा जो वैधानिक या धार्मिक परिप्रेक्ष्य में होती थी। शपथ मानने वाला यदि शपथ पूरी करने से चूक जाए तो वह उसका लेखादायी होने या दंड का भागी होने के लिए बाध्य होता था।

- न्यायलय में गवाह शपथ खाता है कि वह जो भी कहेगा वह सच एवं तथ्य आधारित होगा।
- आज के युग में, “कसम से” एक अर्थ में ओछी या अभद्र भाषा है परन्तु बाइबल में ऐसा कदापि नहीं था।
- बाइबल में “शपथ” खाने का अर्थ है अखण्ड प्रतिज्ञा करना।
- “की शपथ खाना” अर्थात् किसी स्थान या व्यक्ति के नाम को आधार या शक्ति मानना जिसके नाम पर शपथ खाई गई है।
- कभी-कभी इन दोनों शब्दों को एक साथ काम में लिया जाता है, “शपथ खिलाई”।
- अब्राहम और अबीमेलेक ने शपथ खाई थी जब उन्होंने कुएं को एक साथ उपयोग करने की वाचा बांधी थी।
- अब्राहम ने अपने सेवक को शपथ (विधिवत प्रतिज्ञा) खिलाई थी कि वह अब्राहम के परिजनों में से इसहाक के लिए पत्नी लाएगा।
- परमेश्वर भी शपथ खाता था जिसमें वह अपनी प्रजा से प्रतिध्याएँ करता था।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “शपथ” का अनुवाद “वचन देना” या “अखण्ड प्रतिज्ञा करना”
- “वचन देना” का अनुवाद हो सकता है, “विधिवत प्रतिज्ञा करना” या “प्रण करना” या “किसी काम को करने का समर्पण करना”।
- “मेरे नाम की शपथ खाना” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “मेरे नाम से प्रतिज्ञा को पक्का करना”
- “स्वर्ग और पृथ्वी की शपथ खाना” का अनुवाद “किसी बात की प्रतिज्ञा करके कहना कि आकाश और पृथ्वी उसे दृढ़ करते हैं”।
- सुनिश्चित करें कि “शपथ खाना” का अभिप्राय कोसने से न हो। बाइबल में ऐसा कोई आशय नहीं है।

(यह भी देखें: अबीमेलेक, वाचा, शपथ)

बाइबल सन्दर्भ:

- [उत्पत्ति 21:23](#)
- [उत्पत्ति 24:3](#)
- [उत्पत्ति 31:51-53](#)
- [उत्पत्ति 47:31](#)
- [लूका 1:73](#)
- [मरकुस 6:26](#)
- [मत्ती 5:36](#)
- [मत्ती 14:6-7](#)
- [मत्ती 26:72](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H422, H423, H3027, H5375, H7621, H7650, G332, G3660, G3727, G3728

शमूएल*तथ्य:*

शमूएल एक भविष्यद्वक्ता था और इस्राएल का अन्तिम न्यायी था। उसने शाऊल और उसके बाद दाऊद दोनों को इस्राएल का राजा होने के लिए अभिषेक किया था।

- शमूएल रामा नगर में एल्काना और हन्ना से उत्पन्न हुआ था।
- हन्ना बांझ थी, उसने परमेश्वर से रो-रोकर प्रार्थना की कि उसे पुत्र दे। उसकी प्रार्थना सुन कर परमेश्वर ने उसे शमूएल दिया।
- हन्ना ने प्रतिज्ञा की थी कि, यदि परमेश्वर उसे पुत्र देगा तो वह उसे यहोवा की सेवा में अर्पित कर देगी।
- जब शमूएल बालक ही था, तब हन्ना ने उस याजक एली के पास दे दिया और परमेश्वर से की गई अपनी प्रतिज्ञा पूरी की।
- परमेश्वर ने शमूएल को अपना एक महान भविष्यद्वक्ता बनाया।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: हन्ना, न्यायी, भविष्यद्वक्ता, यहोवा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [1 शमूएल 01:19-20](#)
- [1 शमूएल 09:23-24](#)
- [1 शमूएल 12:16-18](#)
- [प्रे.का. 03:24-26](#)
- [प्रे.का. 13:19-20](#)
- [इब्रानियों 11:32-34](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8050, G4545

शमौन*तथ्य:*

शमौन याकूब का दूसरा पुत्र था। वह लीआ: का दूसरा पुत्र था। उसके वंशज इस्राएल के गोत्रों में से एक हुए थे।

- उसके वंशजों का गोत्र "शमौन का गोत्र" कहलाया।
- शमौन नाम उस इब्रानी शब्द के सदृश्य है जिसका अनुवाद, "सुनना है।"
- शमौन के गोत्र ने प्रतिज्ञा के देश कनान में दूरस्थ दक्षिणी क्षेत्र प्राप्त किया था। उसका भूभाग पूर्णतः यहूदा के भूभाग से घिरा हुआ था। जब भूभाग के नाम से जाना जाता है तब "शमौन" शब्द शमौन के गोत्र को दिए गए भूभाग का सन्दर्भ देता है।
- जब यूसुफ और मरियम यीशु को यरूशलेम के मन्दिर में समर्पित करने लाए थे तब शिमोन नामक एक वृद्ध पुरुष ने मसीह के दर्शन पाने हेतु यहोवा की स्तुति की थी।
- शमौन नामक एक और पुरुष लूका द्वारा दी गई यीशु की वंशावली में एक था।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: इस्राएल के बारह गोत्र, याकूब, लीआ:)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [उत्पत्ति 29:33](#)
- [उत्पत्ति 34:25](#)
- [उत्पत्ति 42: 35-36](#)
- [उत्पत्ति 43:21-23](#)
- [लूका 2:25](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H8095, H8099, G48260

शरण*परिभाषा:*

“शरण” अर्थात सुरक्षा और रक्षा की स्थिति या स्थान
 “शरणस्थल” एक ऐसा स्थान जो मौसम और खतरों से सुरक्षित रखता है।

शमौन कनानी*तथ्यों:*

शमौन कनानी यीशु के बारह चेलों में से एक था।

- इस शमौन का नाम यीशु के शिष्यों में तीन बार आया है परन्तु इसके बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।
- यह शमौन भी यीशु के स्वर्गारोहण के बाद ग्यारह शिष्यों में था जब वे यरूशलेम में प्रार्थना कर रहे थे।
- जेलोतेस का अर्थ यह हो सकता है कि वह उस धार्मिक “जेलोतेस” संप्रदाय का था जो मूसा की व्यवस्था के पालन में और रोम विरोधी स्वभाव के कट्टर थे।
- या “जेलोतेस” का अर्थ मात्र “जोशीला” हो सकता है जो संभवतः उसके धर्मिक जोश के कारण हो।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: प्रेरित, चेला, बारहों)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 1:12-14](#)
- [लूका 6:14-16](#)
- [मरकुस 3:17-19](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G22080, G25810, G46130

- बाइबल में प्रायः परमेश्वर को शरण-स्थान कहा गया है, जहां उसके लोग सुरक्षित और निगरानी में संभाले हुए रहते हैं।
- “शरण नगर” पुराने नियम में कुछ नगर ऐसे थे जिनमें यदि किसी ने गलती से हत्या कर दी तो वह बदला लेने वालों से भागकर वहां शरण ले सकता था।
- “शरण स्थान” एक ऐसी भौतिक संरचना होती है जैसे कोई भवन या छत जो मनुष्यों को या पशुओं को सुरक्षा प्रदान करती थी।
- कभी-कभी “आश्रय” का अर्थ “सुरक्षा” होता है, जैसा कि लूत ने कहा था कि उनके मेहमान “छत के नीचे” उसकी छत के। उसके कहने का अर्थ है कि वे उसके घर में हैं इसलिए वे सुरक्षित रहें।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- “शरण स्थान” का अनुवाद “सुरक्षित स्थान” या “सुरक्षा का स्थान” हो सकता है।
- “शरणार्थी” एक खतरनाक स्थिति से बचने के लिए लोग अपने घरों को छोड़ रहे हैं, और उन्हें “विदेशी”, “बेघर लोग” या “निर्वासित” के रूप में अनुवादित किया जा सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “शरण” का अनुवाद “सुरक्षा देने वाला” या “सुरक्षा” या “सुरक्षित स्थान”।
- यदि उसका संदर्भित भौतिक संरचना है तो “शरण” का अनुवाद “सुरक्षित ईमारत” हो सकता है या
- “सुरक्षित स्थान में” का अनुवाद “सुरक्षित स्थान में” या “इस स्थान में जहां सुरक्षा प्राप्त होगी” के रूप में हो सकता है।
- “शरण पाना” या “शरण लेना” या “सुरक्षा का स्थान पाना” का अनुवाद “किसी के सुरक्षित स्थान में रखना” के रूप में हो सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- [2 शमूएल 22:3-4](#)
- [व्य. 32:37-38](#)
- [यशायाह 23:13-14](#)

- [यिर्मयाह 16:19-21](#)
- [गिनती 35:24-25](#)
- भजन संहिता 046:1-3
- भजन संहिता 028:6-8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2620, H4268, H4498, H4585, H4733, H4869

शाऊल (पुराना नियम)

तथ्य:

शाऊल एक इस्राएली था जिसे परमेश्वर ने चुनकर इस्राएल का प्रथम राजा बनाया था।

- शाऊल लम्बा, सुन्दर और शक्तिशाली योद्धा था। वह उस प्रकार का व्यक्ति था जिसे इस्राएली अपना राजा बनाना चाहते थे।
- हालाँकि शाऊल ने पहले परमेश्वर की सेवा की, बाद में वह घमंडी हो गया और उसने परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानी। परिणामस्वरूप, परमेश्वर ने दाऊद को राजा के रूप में शाऊल की जगह लेने के लिए नियुक्त किया और शाऊल को युद्ध में मारे जाने की अनुमति दी।
- नए नियम में, शाऊल नाम का एक यहूदी था जिसे पौलुस के नाम से भी जाना जाता था और जो यीशु मसीह का प्रेरित बन गया।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: राजा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 10:1-3](#)
- [1 शमूएल 9:1-2](#)
- [2 शमूएल 1:1-2](#)
- [प्रेरितों के काम 13:22](#)
- भजन-संहिता 18:1

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:1 शाऊल** इस्राएल का पहला राजा था। जैसा कि लोग चाहते थे, वह लम्बा और सुन्दर था। **शाऊल** इस्राएल पर शासन करने के पहले कुछ वर्षों के लिए एक अच्छा राजा था। लेकिन फिर वह एक दुष्ट व्यक्ति बन गया जिसने परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानी, इसलिए परमेश्वर ने एक अलग व्यक्ति को चुना जो एक दिन उसके स्थान पर राजा होगा।
- **17:04 शाऊल** दाऊद के प्रति लोगों के प्रेम से जलने लगा। **शाऊल** ने उसे मारने की कई बार कोशिश की, इसलिए दाऊद **शाऊल** से छिप गया।
- **17:05 अंततः शाऊल** युद्ध में मारा गया, और दाऊद इस्राएल का राजा बन गया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7586, G4549

शान्ति

परिभाषा:

“शान्ति” और “शान्ति देनेवाला” का सन्दर्भ उस व्यक्ति से है जो शारीरिक या भावनात्मक दर्द से पीड़ित की सहायता करता है।

- शान्ति देने वाले को शान्तिदाता कहते हैं।
- पुराने नियम में “शान्ति देना” परमेश्वर की प्रजा के लिए उसकी दया और उसके प्रेम और कष्टों में उनकी सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।
- नये नियम में कहा गया है कि परमेश्वर अपने पवित्र आत्मा के द्वारा अपने लोगों को शान्ति प्रदान करेगा। जिन्हें शान्ति मिलती है वे बदले में कष्ट उठानेवालों को वैसी ही शान्ति देंगे।
- “इस्राएल का शान्ति दाता” मसीह के संदर्भ में है जो अपने लोगों का उद्धार करने के लिए आएगा।
- यीशु ने पवित्र आत्मा को सहायक कहा जो यीशु में विश्वास करनेवालों की सहायता करेगा।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “शान्ति देना” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टमोचन” या “या” (किसी को) दुःख से उबरने में सहायता” या “प्रोत्साहित करना” या “सांत्वना देना”।
- “हमारी शान्ति ” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “हमारा प्रोत्साहन” या “हमारा (किसी के) सांत्वना” या “दुःखी होने के समय हमारी सहायता”।
- शब्द “शान्ति देनेवाला” का अनुवाद “कोई व्यक्ति शान्ति देता है” या “कोई व्यक्ति जो दर्द को कम करने में सहायता करता है” या “कोई व्यक्ति जो प्रोत्साहित करता है”।
- जब पवित्र आत्मा को “शान्ति देनेवाला” कहा गया तो इसका अनुवाद हो सकता है, “प्रोत्साहनकर्ता” या “सहायक” या “मनुष्य जो सहायता करता है और मार्गदर्शन करता है।”
- वाक्यांश “इस्राएल का शान्तिदाता” का अनुवाद हो सकता है, “मसीह जो इस्राएल को शान्ति प्रदान करता है।”
- यह अभिव्यक्ति, “उनके पास कोई शान्ति देनेवाला नहीं” इसका अनुवाद किया जा सकता है, “उन्हें किसी ने भी शान्ति नहीं दी” या “उन्हें प्रोत्साहित करने या उनकी मदद करने के लिए कोई नहीं है।”

(यह भी देखें: प्रोत्साहित करना, पवित्र आत्मा)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 थिस्सलुनीकियों 5:8-11](#)
- [2 कुरिन्थियों 1:4](#)
- [2 शमूएल 10:1-3](#)
- [प्रे.का. 20:11-12](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H2505, H5150, H5162, H5165, H5564, H8575, G03020, G38700, G38740, G38750, G38880, G38900, G39310

शान्ति

परिभाषा:

“शान्ति” शब्द वह परिस्थिति है जब किसी भी प्रकार का झगड़ा या चिन्ता या भय न हो। “शांतिपूर्ण” मनुष्य नीरवता का अनुभव करता है और उसे सुरक्षा का विश्वास होता है।

- पुराने नियम में, "शांति" शब्द का सामान्य अर्थ अक्सर किसी व्यक्ति की समृद्धि, कल्याण या पूर्णता होता है।
- "शान्ति" उस समय को भी दर्शाती है जब जातियां और देश आपस में युद्ध नहीं करते हैं। इन लोगों के "शांतिपूर्ण संबन्ध" कहलाते हैं।
- किसी मनुष्य का समुदाय के साथ "शान्ति स्थापित" का करने का अर्थ है युद्ध रोकने का प्रयास करना।
- "शान्ति बनाने वाला" वह मनुष्य है जो मनुष्यों को परस्पर शान्ति में रहने के लिए काम करता है या प्रभावित करनेवाली बातें करता है।
- मनुष्यों के साथ "शान्ति बनाए रखने" का अर्थ है उन लोगों के खिलाफ नहीं लड़ने की स्थिति में होना।
- परमेश्वर और मनुष्यों में अच्छे एवं उचित संबन्ध तब उत्पन्न होते हैं जब परमेश्वर मनुष्यों के पापों से बचा लेता है। इसे "परमेश्वर के साथ मेल" कहते हैं।
- "अनुग्रह और शान्ति" का अभिवादन प्रेरित अपने पत्रों में विश्वासियों को आशीर्वाद स्वरूप लिखते थे।
- "शान्ति" शब्द का संदर्भ मनुष्यों के साथ या परमेश्वर के साथ उचित संबन्ध में रहने से भी है।

बाइबल संदर्भ:

- [1 थिस्सलुनीकियों 05:1-3](#)
- [प्रेरि. 07:26](#)
- [कुलुस्सियों 01:18-20](#)
- [कुलुस्सियों 03:15](#)
- [गलातियों 05:23](#)
- [लूका 07:50](#)
- [लूका 12:51](#)
- [मरकुस 04:39](#)
- [मत्ती 05:9](#)

- [मत्ती 10:13](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **15:06** परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी, कि वह कनान में लोगों के किसी भी समूह के साथ समझौता **संधि** स्थापित न करे,
- **15:12** तब परमेश्वर ने इस्राएलियों को सारी सीमा के साथ **शांति** प्रदान की।
- **16:03** तब परमेश्वर ने एक उद्धारकर्ता प्रदान किया, जिन्होंने उन्हें अपने शत्रुओं से बचाया और देश में **शांति** लाई।
- **21:13** वह अन्य लोगों के पापों के कारण मारा जाएगा। उसके दण्डित होने से परमेश्वर और लोगों के बीच में **शान्ति** स्थापित होगी।
- **48:14** दाऊद इस्राएल का राजा था, लेकिन यीशु पूरे ब्रह्मांड का राजा है! वह फिर से आएगा, और अपने राज्य पर न्याय और **शांति** के साथ हमेशा राज्य करेगा।
- **50:17** यीशु अपने राज्य पर **शान्ति** व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रॉंग्स: H5117, H7961, H7962, H7965, H7999, H8001, H8002, H8003, H8252, G269, G1514, G1515, G1516, G1517, G1518, G2272

शारोन

तथ्यों:

शारोन पर्वत कर्मेल् के दक्षिण में भूमध्य सागर के तट पर एक समतल उपजाऊ भू भाग था। इसे "शारोना का मैदान" भी कहते हैं

- बाइबल में वर्णित अनेक नगर यहाँ स्थित थे, याफा, लुद्धा तथा कैसरिया।
- इसका अनुवाद "शारोन का मैदान" या "शारोन नामक समतल भूभाग" किया जा सकता है।
- शारोन के निवासियों को शारोनवासी कहते थे।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: कैसरिया, कर्मेल्, याफा, समुद्र)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 05:16-17](#)
- [प्रे.का. 09:33-35](#)
- [यशायाह 33:9](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8289, H8290

शासन

परिभाषा:

"शासक" सामान्यतः एक व्यक्ति जो अन्य लोगों पर अधिकार रखता है, जैसे किसी देश, राज्य, या धार्मिक संप्रदाय का अगुआ। एक शासक एक है जो "नियम" और उसका अधिकार उसका "नियम" है।

- पुराने नियम में राजा को भी अधिपति कहा जाता था जैसे इस वाक्य में है, “इस्त्राएल पर अधिपति ठहराया”
- परमेश्वर को सबसे बड़ा राजा कहा गया है जो राजाओं का राजा है।
- नये नियम में आराधनालय के अगुवे को “अधिपति” कहा गया है।
- नये नियम में एक और अधिपति था जिसे हाकिम कहा गया है।
- प्रकरण के अनुसार “अधिपति” शब्द का अनुवाद “अगुआ” या “अधिकार रखनेवाला मनुष्य” किया जा सकता है।
- “शासन करने” के कार्य का अर्थ है, “अगुआई करना” या “किसी पर अधिकार रखना”। इसका अर्थ वही है जैसे “राज करना” जब राजा के संदर्भ में होता है।

(यह भी देखें: अधिकार, हाकिम, राजा, आराधनालय)

बाइबल के संदर्भ:

- [प्रे.का. 03:17-18](#)
- [प्रे.का. 07:35-37](#)
- [लूका 12:11-12](#)
- [लूका 23:35](#)
- [मरकुस 10:42](#)
- [मत्ती. 09:32-34](#)
- [मत्ती. 20:25](#)
- [तीतुस 03:01](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रॉंग्स: H995, H1166, H1167, H1404, H2708, H2710, H3027, H3548, H3920, H4043, H4410, H4427, H4428, H4438, H4467, H4474, H4475, H4623, H4910, H4941, H5057, H5065, H5387, H5401, H5461, H5715, H6113, H6213, H6485, H6957, H7101, H7218, H7287, H7300, H7336, H7786, H7860, H7980, H7981, H7985, H7989, H7990, H8199, H8269, H8323, H8451, G746, G752, G755, G757, G758, G932, G936, G1018, G1203, G1299, G1778, G1785, G1849, G2232, G2233, G2525, G2583, G2888, G2961, G3545, G3841, G4165, G4173, G4291

शासन करना

परिभाषा:

राज्यपाल वह मनुष्य है जो किसी देश या साम्राज्य के किसी विशाल क्षेत्र पर शासन करता है (जैसे सीमाओं में, क्षेत्र या प्रांत में)।

- पुराने नियम का यह शब्द, "अधिपति (तर्शाता)" राज्यपाल के लिए एक अधिक विशिष्ट शीर्षक था जो एक फारसी प्रांत पर शासन करता था।
- नए नियम में, राज्यपाल (प्रोकौन्सुल) शब्द रोम के किसी प्रान्त नियुक्त राज्यपाल के लिए विशिष्ट पदनाम था।
- बाइबल के युग में हाकिम राजा या सम्राट के द्वारा नियुक्त किए जाते थे, और वे उसके अधीन रहते थे।
- "प्रभुता" किसी देश या साम्राज्य के सब सत्ताधारी शासकों से संगठित होती है। ये शासक ऐसे कानून बनाते हैं जो अपने नागरिकों के व्यवहार को निर्देशित करते हैं ताकि उस देश के सभी लोगों के लिए शांति, सुरक्षा और समृद्धि हो।

अनुवाद के सुझाव:

- "राज्यपाल" का अनुवाद "प्रशासक" या "पर्यवेक्षक" या "क्षेत्रीय अगुआ" या "एक छोटे क्षेत्र का शासक" भी किया जा सकता है।
- प्रकरण के अनुसार "राज करना" का अनुवाद "शासन करना" या "अगुआई करना" या "प्रबन्ध करना" या "पर्यवेक्षण करना" हो सकता है।
- शब्द "राज्यपाल" का अनुवाद "राजा" या "सम्राट" के शब्दों से अलग ढंग से किया जाना चाहिए, क्योंकि एक राज्यपाल कम शक्तिशाली शासक था जो उनके अधिकार के अधीन था।
- "हाकिम" शब्द का अनुवाद "रोमन राज्यपाल" या "रोमन प्रांतीय शासक" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अधिकार, राजा, सामर्थ्य, प्रदेश, रोम, शासक)

बाइबल सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 07:9-10](#)
- [प्रे.का. 23:22](#)
- [प्रे.का. 26:30](#)
- [मरकुस 13:9-10](#)
- [मत्ती 10:18](#)
- [मत्ती 27:1-2](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H324, H1777, H2280, H4951, H5148, H5460, H6346, H6347, H6486, H7989, H8269, H8660, G445, G446, G746, G1481, G2232, G2233, G2230, G4232

शास्त्री

परिभाषा:

शास्त्री वे अधिकारी थे जो राजसी या धार्मिक अभिलेखों को हस्तलेख में लिखने या नकल करने के काम का दायित्व निभाते थे। यहूदी शास्त्रियों को "यहूदी व्यवस्था विशेषज्ञ" भी कहा जाता था।

- शास्त्रियों का उत्तरदायित्व था कि पुराने नियम की पुस्तकों की प्रतिलिपि बनाकर सुरक्षित रखें।
- वे परमेश्वर की व्यवस्था पर धर्म के विचारों की व्याख्या और टीका की प्रतिलिपि बनाकर सुरक्षित रखते थे।
- कभी-कभी शास्त्री महत्वपूर्ण शासकीय अधिकारी भी होते थे।
- बाइबल में महत्वपूर्ण शास्त्रियों में बारूक और एज्रा भी थे।
- नये नियम में, इस शब्द शब्द, "शास्त्री" का अनुवाद "व्यवस्थापक" भी किया गया है।
- नये नियम के समय, शास्त्री प्रायः एक धार्मिक पंथ "फरीसी" के सदस्य थे और ये दोनों समूह बार-बार एक साथ चर्चा में रहे हैं।

(यह भी देखें: व्यवस्था, फरीसी)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 04:05](#)
- [लूका 07:29-30](#)
- [लूका 20:47](#)
- [मरकुस 01:22](#)
- [मरकुस 02:16](#)
- [मत्ती 05:19-20](#)
- [मत्ती 07:28](#)
- [मत्ती 12:38](#)
- [मत्ती. 13:51-52](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H5608, H5613, H7083, G1122

शिनार

तथ्यों:

“शिनार” अर्थात दो नदियों का देश, यह स्थान दक्षिणी मिसोपोपामिया में था।

बाद में शिनार का नाम कसदी तदोपरान्त बेबीलोन हुआ। बाबेल में रहनेवाले प्राचीन मनुष्यों ने एक ऊंचा मीनार बनाने का प्रयास किया था कि अपने को महान बनाएं। पीढ़ियों बाद यहूदी पितर अब्राहम इसी क्षेत्र के ऊर नगर में रहता था, उस समय इस स्थान का नाम “कसदी” था।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अब्राहम, बाबेल, बेबीलोन, कसदी, मिसोपोतामिया, पितर, ऊर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [उत्पत्ति 10:8-10](#)
- [उत्पत्ति 14: 1-2](#)
- [उत्पत्ति 14:7-9](#)
- [यशायाह 11:10-11](#)
- [जकर्याह 05:10-11](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8152

शिमशोन

तथ्य:

शिमशोन न्यायियों में से एक था, और इस्राएल का मुक्तिदाता था। वह दान के गोत्र का था।

- परमेश्वर ने उसे अलौकिक शक्ति दी थी जिससे उसने इस्राएल के शत्रु पलिशतियों से लड़ने में काम में ली।
- शिमशोन शपथ के अधीन था कि वह न तो मदिरा पान करेगा, न ही किसी प्रकार का खमीरी पेय पदार्थ पीएगा। जब तक वह अपनी शपथ का निष्ठावान रहा, परमेश्वर उसे शक्ति देता रहा।
- उसने अपनी शक्ति का भेद प्रकट करके बाल कटवा लिए और पलिशतियों ने उसे बन्दी बना लिया।
- जब शिमशोन बन्धुआई में था, परमेश्वर ने उसे शक्ति दी और अनेक पलिशतियों के साथ उनके दागोन देवता के मन्दिर को नष्ट करवाया।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: मुक्ति दिलाना, पलिशती, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [इब्रानियों 11:32-34](#)
- [न्यायियों 13:24-25](#)
- [न्यायियों 16:1-2](#)
- [न्यायियों 16:30-31](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8123, G4546

शिमी

परिभाषा:

पुराने नियम में शिमी नामक अनेक पुरूष हुए हैं।

- गेरा का पुत्र शिमी एक बिन्यामीनी था जिसने दाऊद को श्राप दिया और उस पर पत्थर फेंके थे जब वह अपने पुत्र अबशालोम से बच कर यरूशलेम से भाग रहा था।
- पुराने नियम में शिमी नामक अनेक लेवी याजक भी हुए हैं।

(यह भी देखें: अबशालोम, बिन्यामीन, लेवी, याजक)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 06:16-18](#)
- [1 राजा 01:7-8](#)
- [2 शमूएल 16:13-14](#)
- [जकर्याह 12:12-14](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8096, H8097

शीबा

तथ्यों:

प्राचीन युग में शीबा एक प्राचीन सभ्यता थी या एक स्थान था जो दक्षिणी अरब में था।

- शीबा देश या स्थान आज के यमन या इथोपिया देश के निकट था।

वहाँ के निवासी संभवतः हाम के वंशज थे।

- शीबा की रानी सुलैमान के वैभव और बुद्धि की चर्चा सुनकर उससे भेंट करने आई थी।
- पुराने नियम की वंशावलियों में “शीबा” नामक अनेक पुरुष थे। संभव है कि उस स्थान का नाम शीबा इनमें से किसी एक पुरुष के नाम पर पड़ा था।
- बर्शेब नगर का नाम छोटा करके एक बार पुराने नियम में शीबा कहा गया है।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: अरब, बर्शेबा, इथोपिया, सुलैमान)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 01:8-10](#)
- [1 राजा 10:1-2](#)
- [यशायाह 60:6-7](#)
- भजन-संहिता 072:8-10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5434, H7614

शीलो

तथ्यों:

शीलो शहरपनाह का एक कनानी नगर था जिसे इस्राएल ने यहोशू की अगुआई में जीत लिया था।

शीलो नगर यरदन नदी के पश्चिम में और बेतेल के उत्तर-पूर्व में था। इस्त्राएल में यहोशू की अगुआई के समय शीलो नगर इस्त्राएलियों के लिए समागम स्थल था। इस्त्राएल के 12 गोत्र शीलों में उपस्थित होकर यहोशू की घोषणा सुनते थे कि कनान का कौन सा भाग किस गोत्र को दिया गया है। यरूशलेम के मन्दिर निर्माण से पूर्व इस्त्राएली शीलो में परमेश्वर के लिए बलि चढ़ाने आते थे। बालक शमूएल को उसकी माता ने शीलो में रखा था कि याजक एली से यहोवा की सेवा करना सीखे।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बेतेल, समर्पण करना, हन्ना, यरूशलेम, यरदन नदी, याजक, बलिदान, शमूएल, मन्दिर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [1 राजा 02:26-27](#)
- [1 शमूएल 01:9-10](#)
- [यहोशू 18:1-2](#)
- [न्यायियों 18:30-31](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7886, H7887

शुद्ध

परिभाषा:

“शुद्ध” शब्द का सन्दर्भ सामान्यतः किसी मनुष्य/वस्तु पर से मैल या दाग हटाने से है या सबसे पहले, तो मैल या दाग होना ही नहीं है। “शोधन” शब्द का सन्दर्भ विशेष करके किसी मनुष्य/वस्तु पर से मैल या दाग हटाने की क्रिया से है।

- “शोधन” किसी वस्तु को “शुद्ध” करने की प्रक्रिया है। इसका अनुवाद “धीना” या “शुद्ध करना” भी हो सकता है।
- पुराने नियम में परमेश्वर ने इस्राएल को बताया था कि उसने कौन-कौन से पशुओं को सांस्कारिक परिप्रेक्ष्य में “शुद्ध” और कौन-कौन से पशुओं को “अशुद्ध” घोषित किया है। केवल शुद्ध पशु ही खाने और बलि चढ़ाने के लिए काम में लिए जा सकते थे। इस संदर्भ में “शुद्ध” शब्द का अर्थ है कि पशु बलि चढ़ाने में परमेश्वर को ग्रहण योग्य है।
- जिस मनुष्य को कोई विशेष त्वचा रोग होता था वह अशुद्ध माना जाता था जब तक कि उसकी त्वचा रोगमुक्त न हो जाए कि संक्रमण न फैला पाए। त्वचा के शुद्धिकरण के निर्देशों का पालन करना आवश्यक था कि उस मनुष्य को पुनः “शुद्ध” घोषित किया जा सके।
- कभी-कभी “शुद्ध” शब्द का उपयोग लाक्षणिक भाषा में किया जाता था जिसका सन्दर्भ नैतिक शुद्धता से था अर्थात्, पापियों से “शुद्ध”

बाइबल में, “अशुद्ध” शब्द का उपयोग लाक्षणिक भाषा में उन वस्तुओं के सन्दर्भ में किया जाता था जिनको परमेश्वर ने अपनी प्रजा के लिए स्पर्श, भोजन और बलि चढ़ाने के लिए योग्य ठराया था।

- परमेश्वर ने इस्राएलियों को निर्देश दीए थे कि कौन से पशु "शुद्ध" हैं और कौन से पशु "अशुद्ध" हैं। अशुद्ध पशुओं को न तो खाने के लिए और न ही बलि चढ़ाने के लिए काम में लिया जाना था।
- कुछ विशेष प्रकार के चर्म रोगियों को भी "अशुद्ध" घोषित कर दिया जाता था, जब तक कि वे रोगमुक्त न हो जाएं।
- यदि इस्राएली किसी "अशुद्ध" वस्तु के संपर्क में आ जाते थे तो वे कुछ समय के लिए अशुद्ध माने जाते थे।
- अशुद्ध वस्तु का स्पर्श न करने और अशुद्ध पशु को न खाने के सम्बन्ध में परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करने से इस्राएली परमेश्वर की सेवा निमित्त पृथक् होते थे।
- यह शारीरिक और सांस्कारिक अशुद्धता नैतिक अशुद्धता की द्योतक भी थी।
- एक और लाक्षणिक प्रयोग में, "अशुद्ध आत्मा" दुष्टात्मा के सन्दर्भ में है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद "स्वच्छ" एवं "शुद्ध" के लिए काम में आने वाले सामान्य शब्दों में किया जा सकता है। (मैला न होने के भाव में)
- इसके अनुवाद की अन्य विधियों में हैं, "सांस्कारिक शुद्धता" या "परमेश्वर को स्वीकार्य"
- "शुद्ध"; का अनुवाद "धोने" या "शुद्ध करने" के द्वारा किया जा सकता है।
- सुनिश्चित करें कि "शुद्ध" और "शोधन" के लिए काम में लिए गए शब्दों को लाक्षणिक भाषा में भी समझा जा सकता है।
- "अशुद्ध" का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, "शुद्ध नहीं" या "परमेश्वर की दृष्टि में योग्य" या "शारीरिक रूप से अशुद्ध" या "अशुस्श"
- दुष्टात्मा के सन्दर्भ में अशुद्ध आत्मा के लिए "अशुद्ध" शब्द का अनुवाद "दुष्ट" या "अशुद्ध" किया जा सकता है।

इस शब्द के अनुवाद में आत्मिक अशुद्धता का भाव होना चाहिए और इसका सन्दर्भ उस हर एक वस्तु से हो जिसको परमेश्वर ने स्पर्श, भोजन और बलि के लिए योग्य घोषित कर दिया है।

(यह भी देखें: अशुद्ध करना, दुष्टात्मा, पवित्र, बलि)

बाइबल सन्दर्भ:

- [उत्पत्ति 7:02](#)
- [उत्पत्ति 7:08](#)
- [व्य. 12:15](#)
- भजन-संहिता 51:7
- [नीतिवचन 20:30](#)
- [यहेजकेल 24:13](#)
- [मत्ती 23:27](#)
- [लूका 5:13](#)
- [प्रे.का. 8:7](#)
- [प्रे.का. 10:27-29](#)
- [कुलुसियों 3:5](#)
- [1 थिस्लुनिकियों 4:7](#)
- [याकूब 4:8](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1249, H1252, H1305, H2134, H2135, H2141, H2398, H2548, H2834, H2889, H2890, H2891, H2893, H2930, H2931, H2932, H3001, H3722, H5079, H5352, H5355, H5356, H6172, H6565, H6663, H6945, H7137, H8552, H8562, G01670, G01690, G25110, G25120, G25130, G28390, G28400, G33940, G36890

शुद्ध

परिभाषा:

“शुद्ध” अर्थात् निर्दोष या “ऐसी कोई वस्तु मिश्रित न हो जो नहीं होनी चाहिए। किसी वस्तु को शुद्ध करना अर्थात् उसे किसी भी अशुद्ध या दूषित करनेवाली वस्तु से मुक्त करना।

- पुराने नियम के आदेशों के अनुसार “शुद्ध करना” और “शुद्ध होना” मुख्यतः किसी वस्तु या मनुष्य को ऐसी बातों से शुद्ध करना जो वस्तु या मनुष्य को अशुद्ध बनती है जैसे रोग, शारीरिक स्राव या प्रसव से।
- पुराने नियम में मनुष्यों का पापों से शोधन के भी नियम थे कि पापों से कैसे शुद्ध या मुक्त हुआ जाए- पशुओं के बलिदान से। परन्तु यह एक अस्थायी व्यवस्था थी, अतः बलि बार-बार चढ़ानी होती थी।
- नये नियम में शुद्ध होने का अर्थ है पापमार्जन।
- मनुष्यों के लिए पूर्ण एवं सिद्ध पाप शोधन केवल मन फिराव और यीशु में तथा उसके बलिदान में विश्वास के द्वारा परमेश्वर की क्षमा से क्षमा प्राप्त करने से होता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “शुद्ध करने” का अनुवाद हो सकता है, “निर्मल बनाना” या “साफ करना” या “सब अशुद्धियों को दूर करना” या “पापों से छुटकारा पाना”
- “उनके शुद्ध होने के दिन पूरे हुए” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “जब निश्चित दिनों तक रूकने के बाद उन्होंने स्वयं को शुद्ध कर लिया”
- “पापों से शुद्ध होना” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्यों के लिए पापों से पूर्ण शोधन का मार्ग उपलब्ध करा दिया”।
- “शोधन” का अनुवाद करने के अन्य रूप हो सकते हैं, “शुद्ध होना” या “आत्मिक मार्जन” या “रीति के अनुसार शुद्ध होना”

(यह भी देखें: प्रायश्चित, शुद्ध, आत्मा)

बाइबल संदर्भ:

- [1 तीमुथियुस 1:5](#)
- [निर्गमन 31:6-9](#)
- [इब्रानियों 9:13-15](#)
- [याकूब 4:8](#)
- [लूका 2:22](#)
- [प्रका. 14:4](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1249, H1252, H1253, H1305, H1865, H2134, H2135, H2141, H2212, H2398, H2403, H2561, H2889, H2890, H2891, H2892, H2893, H3795, H3800, H4795, H5343, H5462, H6337, H6884, H6942, H8562, G48, G49, G53, G54, G1506, G2511, G2512, G2513, G2514

शुद्ध करना*परिभाषा:*

शुद्ध करने का अर्थ है, पृथक करना या पवित्र करना। शोधन पवित्र करने की प्रतिक्रिया है।

- पुराने नियम में, कुछ लोग और कुछ वस्तुएं परमेश्वर की सेवा के निमित्त पृथक किए गए थे या पवित्र माने गए थे।
- नये नियम की शिक्षा के अनुसार यीशु में विश्वास करने वालों को परमेश्वर पवित्र करता है। अर्थात् वह उन्हें पवित्र करके अपनी सेवा के लिए पृथक कर लेता है।
- यीशु में विश्वास करनेवालों को आज्ञा दी गई है कि वे परमेश्वर के निमित्त स्वयं को पवित्र करें, प्रत्येक काम में पवित्र ठहरें।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, "शुद्ध करना" का अनुवाद हो सकता है, "पृथक करना" या "पवित्रीकरण करना" या "परिष्कृत करना"
- जब मनुष्य अपने को शुद्ध करते हैं, तो इसका अर्थ है कि वे अपना शोधन करके परमेश्वर की सेवा में अपना समर्पण करते हैं। "पवित्र" करना शब्द बाइबल में इस अभिप्राय में प्रयोग किया जाता है।
- जब इसका अर्थ "अभिषेक" हो तब इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "किसी मनुष्य (या वस्तु) को परमेश्वर की सेवा निमित्त समर्पित करना"
- संदर्भ के आधार पर, इस वाक्यांश "तुम्हारा पवित्रीकरण" का अनुवाद हो सकता है, "तुमको पवित्र करना" या "तुमको पृथक करना (परमेश्वर के लिए)" या "तुमको क्या पवित्र बनाता है"

(यह भी देखें: पवित्र करना, पवित्र, पृथक करना)

बाइबल के संदर्भ:

- [1 थिस्सलुनीकियों 4:3-6](#)
- [2 थिस्सलुनीकियों 2:13](#)
- [उत्पत्ति 2:1-3](#)
- [लूका 11:2](#)
- [मत्ती. 6:8-10](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H6942, G00370, G00380

शुभ सन्देश*परिभाषा:*

“सुसमाचार” शब्द का अर्थ वास्तव में “शुभ सन्देश” है और ऐसे सन्देश एवं घोषणा के संदर्भ में है जो मनुष्यों को लाभ पहुंचाता है या हर्षित करता है।

- बाइबल में यह शब्द क्रूस पर यीशु के बलिदान के माध्यम से परमेश्वर के उद्धार के संदर्भ में प्रायः उपयोग किया जाता है।
- अधिकांश अंग्रेजी बाइबलों में “शुभ सन्देश” का अनुवाद “सुसमाचार” किया गया है और ऐसी उक्तियां काम में ली गई हैं जैसे “मसीह यीशु का सुसमाचार” या “परमेश्वर का सुसमाचार” और “राज्य का सुसमाचार”

अनुवाद के लिए सुझाव:

- इस शब्द के अन्य अनुवाद रूप हैं, “शुभ सन्देश”, “शुभ घोषणा” या “परमेश्वर का उद्धार का सन्देश” या “परमेश्वर यीशु के बारे में अच्छी बातें सिखाता है”।
- प्रकरण के अनुसार इस उक्ति, “का सुसमाचार” का अनुवाद के बारे में शुभ समाचार/सन्देश” या “से प्राप्त शुभ समाचार” या “परमेश्वर हमें जिन अच्छी बातों का ज्ञान देता है” या “परमेश्वर मनुष्यों का उद्धार करने के बारे में क्या कहता है”।

(यह भी देखें: राज्य, बलिदान, उद्धार)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 थिस्सलुनीकियों 1:5](#)
- [प्रे.का. 8:25](#)
- [कुलुस्सियों 1:23](#)
- [गलातियों 1:6](#)
- [लूका 8: 1-3](#)
- [मरकुस 1:14](#)
- [फिलिप्पियों 2:22](#)
- [रोमियो 1:3](#)

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **23:6** तब स्वर्गदूत ने उनसे कहा, “ मत डरो; क्योंकि देखो, मैं तुम्हें बड़े आनन्द का **सुसमाचार** सुनाता हूँ” कि आज बैतलहम नगर में तुम्हारे लिये एक उद्धारकर्ता जन्मा है, और यही मसीह प्रभु है।”
- **26:3** यीशु ने पढ़ा, “ प्रभु की आत्मा मुझ पर है, इसलिये कि उसने कंगालों को **सुसमाचार** सुनाने के लिए मेरा अभिषेक किया है, और मुझे इसलिये भेजा है कि बन्धियों को छुटकारे का और अंधों को दृष्टि पाने का **सुसमाचार** प्रचार करूँ और कुचले हुआ को मुक्त करूँ। यह प्रभु के कृपा का वर्ष है।”
- **45:10** फिलिप्पुस ने अन्य शास्त्रों का भी इस्तेमाल करके उसे यीशु का **सुसमाचार** सुनाया।
- **46:10** तब उन्होंने उन्हें कई अन्य स्थानों में **यीशु के बारे में प्रचार** करने के लिये भेज दिया।
- **47:1** एक दिन पौलुस और उसका मित्र सीलास फिलिप्पी में **यीशु का प्रचार करने** को गए।
- **47:13** **यीशु के सुसमाचार** को वह प्रचार करते गए और कलीसिया विकास करती गई।
- **50:1** लगभग 2,000 से अधिक वर्षों से, संसार भर में अधिक से अधिक लोग **यीशु मसीह के सुसमाचार** को सुन रहे हैं।

- 50:2 जब यीशु पृथ्वी पर रहता था तो उसने कहा, "मेरे चेले दुनिया में हर जगह लोगों को परमेश्वर के राज्य के बारे में **शुभ समाचार** का प्रचार करेंगे, और फिर अन्त आ जाएगा।"
- 50:3 स्वर्ग में वापस जाने से पहले, यीशु ने मसीहों से कहा कि वे उन लोगों को **शुभ समाचार** सुनाएँ जिन्होंने इसे कभी नहीं सुना।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G20970, G20980, G42830

शेकेम

तथ्यों:

शेकेम कनान में एक नगर था जो यरूशलेम के उत्तर में 40 मील दूर स्थित था। शेकेम पुराने नियम में एक पुरुष का भी नाम था।

- शेकेम वह स्थान था जहाँ याकूब लौटने के बाद अपने भाई एसाव से मेल करके बस गया था।
- याकूब ने शेकेम के हिवी हामोर के पुत्रों से भूमि खरीदी जो उनका पारिवारिक कब्रिस्तान हो गया था, वहीं याकूब के पुत्रों ने उसे दफन किया था।
- हामोर के पुत्र शेकेम ने याकूब की पुत्री दीना के साथ बलात्कार किया था जिसके परिणाम स्वरूप याकूब के पुत्रों ने शेकेम नगर के सब पुरुषों को मार डाला था।

(अनुवाद के सुझाव: हामोर)

(यह भी देखें: कनान, एसाव, हामोर, हिवी, याकूब)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [प्रे.का. 07:14-16](#)
- [उत्पत्ति 12: 6-7](#)
- [उत्पत्ति 33: 18-20](#)
- [उत्पत्ति 37: 12-14](#)

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7928, H7930

शेत

तथ्य:

उत्पत्ति की पुस्तक में, शेत आदम और हव्वा का तीसरा पुत्र था।

- हव्वा ने कहा कि उसके पुत्र हाबिल के स्थान में उसे शेत दिया गया, हाबिल की हत्या उसके भाई कैन ने कर दी थी।
- नूह शेत के वंशजों में से था, अतः जलप्रलय के बाद सब शेत के वंशज हैं।
- शेत और उसका परिवार सबसे पहले मनुष्य थे जिन्होंने "प्रभु का नाम पुकारा था।"

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: हाबिल, कैन, पुकारना, वंशज, पूर्वज, जल-प्रलय, नूह)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 01:1-4](#)
- [लूका 03:36-38](#)
- [गिनती 24:17](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H8352, G45890

शेम

तथ्य:

शेम नूह के तीन पुत्रों में से एक था, उत्पत्ति की पुस्तक में वर्णित विश्वव्यापी जल-प्रलय के समय वह नूह के साथ उसके जहाज में था।

- शेम अब्राहम और उसके "वंशजों" का पूर्वज था।
- शेम के वंशज "सामी" कहलाए जो इब्रानी और अरबी भाषा जैसी सामी भाषाएं बोलते थे।
- बाइबल बताती है कि शेम लगभग 600 साल जीवित रहा।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अब्राहम, अरेबिया, बड़ा जहाज, जल प्रलय, नूह)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [उत्पत्ति 5:32](#)
- [उत्पत्ति 6:10](#)
- [उत्पत्ति 7:13-14](#)
- [उत्पत्ति 10:1](#)
- [उत्पत्ति 10:31](#)
- [उत्पत्ति 11:10](#)
- [लूका 3:36-38](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H8035, G45900

शैतान

तथ्य:

शैतान परमेश्वर द्वारा सृजित एक आत्मिक प्राणी है, परन्तु परमेश्वर से विद्रोह करके वह उसका बैरी हो गया। शैतान को "वह दुष्ट" भी कहा गया है।

- शैतान परमेश्वर और उसकी संपूर्ण सृष्टि से घृणा करता है, क्योंकि वह परमेश्वर का स्थान लेकर परमेश्वर के तुल्य उपासना करवाना चाहता है।
- शैतान मनुष्यों को परमेश्वर से विद्रोह करने की परीक्षा में डालता है।
- परमेश्वर ने अपने पुत्र, यीशु को भेजा, कि मनुष्यों को शैतान के वश से मुक्त कराए।
- शैतान शब्द का अर्थ है, "बैरी" या "शत्रु।"
- शैतान शब्द का अर्थ है, "दोष लगाने वाला।"

अनुवाद के सुझाव:

- "शैतान" शब्द का अनुवाद "दोष लगाने वाला" या "दुष्ट" या "दुष्टात्माओं का राजा" या "प्रमुख दुष्टात्मा" के रूप में भी अनुवाद किया जा सकता है।
- "इबलीस" का अनुवाद "विरोधी" या "बैरी" किया जा सकता है या अन्य कोई शब्द जिससे स्पष्ट हो कि वह शैतान है।
- इन शब्दों का भावार्थ दुष्टात्मा और बुरी आत्मा से भिन्न व्यक्त होना है।
- ध्यान दें कि इन शब्दों का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: दुष्टात्मा, बुराई, परमेश्वर का राज्य, परीक्षा करना)

बाइबल के सन्दर्भ:

- [1 यूहन्ना 3:8](#)
- [1 थिस्सलुनीकियों 2:17-20](#)
- [1 तीमुथियुस 5:15](#)
- [प्रे.का. 13:10](#)
- [अय्यूब 1:8](#)
- [मरकुस 8:33](#)
- [जकर्याह 3:1](#)

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **21:1** जिस साँप ने हव्वा को धोखे से फल खिलाया था वह **शैतान** था। प्रतिज्ञा का अर्थ यह था कि मसीह **शैतान** को पूरी तरह से नष्ट कर देगा।
- **25:6** फिर **शैतान** ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, "यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा।"
- **25:8** यीशु **शैतान** के लालच में नहीं आया, तब **शैतान** उसके पास से चला गया।
- **33:6** तब यीशु ने उन्हें समझाया कि, "बीज परमेश्वर का वचन है।" मार्ग एक ऐसा व्यक्ति होता है जो परमेश्वर के वचन सुनता है, लेकिन उसे समझ में नहीं आता है, और **शैतान** उस वचन उससे ले जाता है।"
- **38:7** रोट्टी खाते ही, यहूदा में **शैतान** समा गया।
- **48:4** परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की थी कि हव्वा का ही एक वंशज **शैतान** का सिर कुचलेगा, और **शैतान** उसकी एड़ी को डसेगा। इसका अर्थ यह हुआ कि, **शैतान** मसीह को मार देगा, पर परमेश्वर उसे तीसरे दिन फिर जीवित कर देगा। यीशु **शैतान** की शक्ति को हमेशा के लिए नाश कर देगा।
- **49:15** परमेश्वर ने तुम्हें **शैतान** के राज्य के अंधकार से बाहर निकला और तुम्हें परमेश्वर के ज्योतिमय राज्य में रखा है।

- **50:9** "जंगली दाने उन मनुष्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो **दुष्ट** से सम्बंधित हैं। जिस शत्रु ने जंगली बीज बोये वह **शैतान** का प्रतिनिधित्व करता है।"
- **50:10** "जब संसार का अंत होगा, तो जो लोग **शैतान** के हैं उन सभी लोगों को स्वर्गदूत एक साथ इकट्ठा करेंगे और उन्हें एक धधकती आग में डाल देंगे, जहाँ वे भयंकर पीड़ा के कारण रोएँगे और अपने दाँत पीसेंगे।"
- **50:15** जब यीशु वापस आएगा तो वह **शैतान** और उसके राज्य को सर्वदा के लिये नष्ट कर देगा। वह **शैतान** को नरक में डाल देगा जहाँ वह उन लोगों के साथ हमेशा जलता रहेगा, जिन्होंने परमेश्वर की आज्ञा मानने की बजाय उसकी बात मानने का चुनाव किया।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H7700, H7854, H8163, G1139, G1140, G1141, G1142, G1228, G4190, G4566, G4567

शोक करना

तथ्य:

"विलाप" और "विलाप करना" का अर्थ है शोक करना, प्रायः किसी की मृत्यु पर।

- अनेक संस्कृतियों में विलाप के लिए विशिष्ट बाहरी व्यवहार होता है जिससे दुःख एवं शोक प्रकट होता है।
- प्राचीन युग में इस्राएल और अन्य जातियाँ ऊँचे स्वर में रोकर और शोक प्रकट करके दुःख व्यक्त करते थे। वे टाट के बने वस्त्र पहनते थे और सिर में राख डालते थे।
- भाड़े के शोक मनाने वाले भी होते थे, प्रायः स्त्रियाँ, वे मृत्यु के समय से लेकर दफन के बहुत बाद तक रोती और विलाप करती थीं।
- शोक का समय सात दिन होता था परन्तु तीस दिन तक भी हो सकता था (जैसे मूसा और हारून के लिए था) या सत्तर दिन (जैसे याकूब के लिए किया गया था)।
- बाइबल इस शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग भी करती है, जैसे पाप के लिए "विलाप करना"। इसका संदर्भ गहरे दुःख की भावना से है क्योंकि पाप परमेश्वर और मनुष्य को कष्ट पहुँचाता है।

(यह भी देखें: टाट, पाप)

बाइबल सन्दर्भ:

- [1 शमूएल 15:34-35](#)
- [2 शमूएल 01:11](#)
- [उत्पत्ति 23:02](#)
- [लूका 07:31-32](#)
- [मत्ती 11:17](#)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H56, H57, H60, H205, H578, H584, H585, H1058, H1065, H1068, H1671, H1897, H1899, H4553, H4798, H5092, H5098, H5110, H5594, H6937, H6941, H8386, G2354, G2875, G3602, G3996, G3997